आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 जुलाई 2026 सान्ध्य समाचार

प्रदेश भर में आज 'वृहद पौधारोपण अभियान' चलाया जा रहा है। एक दिन में पैंतीस करोड़ पौधों को लगाये जाने के निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिये लगभग सभी जिलों में आज वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किये गये। अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में लिंक एक्सप्रेस–वे पर एक टोल प्लाजा के निकट 'नीम, पीपल और बरगद' का पौधा लगाकर की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश में भौतिक विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही वनाच्छादन का भी विस्तार हुआ है। पौधारोपण अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए श्री योगी ने कहा कि यह महायज्ञ धरती मां के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है।

धरती माता के बारे में भारतीय ऋषि का जो संकल्प रहा है वह रहा है माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः, यानी यह धरती हमारी माता है, हम सब इसके पुत्र हैं। एक पुत्र के रूप में अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने हर भारतवासी से कहा कि हमारा राष्ट्रीय दायित्व भी है, आने वाली पीढ़ी को कैसा भविष्य देना चाहते हैं इस कृत राष्ट्रीय कर्तव्य मान करके भी हम सबको इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने रामगढ़ताल के किनारे रिंग रोड पर भी **एक पेड़ मां के नाम** अभियान के तहत पौधा लगाया और ताल तथा पौधे के साथ सेल्फी भी ली।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महाभियान के तहत आज लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय में पौधारोपण किया। उन्होंने कुकरेल वन में भी पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि–

एक पेड़ माँ के नाम एक महाभियान प्रारंभ हो चुका है। पूरे प्रदेश में पैंतीस करोड़ से अधिक वृक्ष लगाये जाने का निरधारण माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया है सुबह सात बजे से ही उत्साह के साथ सभी विभाग और पूरी पार्टी के कार्यकर्ता और आम जनमानस सब लोग सड़क से घर तक लगातार वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में लगे हुए हैं।

वाराणसी में प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, कानपुर नगर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, कानपुर देहात में राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, देवरिया में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कुशीनगर में ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, मऊ में कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान और बस्ती में अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने पौधा लगाकर इस महाभियान का शुभारम्भ किया।

****

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, ई.पी.एफ.ओ ने 'माफी योजना–2026' शुरू की है। इसके तहत छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट चलाने वाले प्रतिष्ठानों को अपनी स्थिति नियमित करने का एकमुश्त अवसर दिया गया है। केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बताया कि यह योजना छह महीने तक लागू रहेगी। इसका लाभ उन प्रतिष्ठानों को मिलेगा, जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट का संचालन कर रहे हैं। ऐसे ट्रस्ट में कर्मचारी भविष्य निधि का प्रबंधन सीधे ई.पी.एफ.ओ के बजाय संबंधित प्रतिष्ठान अपने निजी ट्रस्ट के माध्यम से करता है।

ईपीएफओ की यह एमनेस्टी योजना मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट चला रहे पात्र संस्थानों को नियमित करने का एक और अवसर प्रदान करती है। इस योजना के तहत वह अपने ट्रस्ट की स्थिति को पिछली तारीख से नियमित करा सकते हैं। इसका उद्देश्य ट्रस्टों को एक समान वैधानिक व्यवस्था के दायरे में लाना और सभी लागू कानूनी प्रावधानों के पालन को सुनिश्चित करना है। कर्मचारियों के लिए, यह योजना उनके नियोक्ता के भविष्य निधि ट्रस्ट की कानूनी स्थिति को लेकर अधिक स्पष्टता और भरोसा प्रदान करेगी। दीपेन्द्र कुमार की रिपोर्ट के साथ, अक्षित वैद्यान, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

योजना का लाभ लेने के लिए पात्र प्रतिष्ठानों को संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में ई–मेल के माध्यम से औपचारिक आवेदन भेजना होगा।

****

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक के तीसरे दिन समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा ने बैठक में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान रामकथा संग्रहालय और मंदिर निर्माण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। उन्होंने बताया कि सग्रहालय की सभी वीथिकाओं की स्क्रिप्ट फाइनल कर दी गयी है। संग्रहालय के निर्माण पर लगभग सौ करोड़ रूपये खर्च होने का अनुमान है।

****

प्रदेश के लगभग सभी पूर्वी जिलों में बीते दो दिन से तेज हवा के बीच रूक–रूक कर वर्षा का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में गरज–चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। उधर, लगातार हो रही वर्षा और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश में कई नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गयी हैं। सम्बन्धित जिलों के प्रशासन को बाढ़ से बचाव के लिये सतर्क और तैयार रहने के लिये कहा गया है।

****